

प्रेषक,

डा० राकेश कुमार,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
विद्यालयी शिक्षा,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून, दिनांक: 13 मार्च, 2009.

विषय: भारत सरकार द्वारा संचालित पुरोनिधानित योजना (शिक्षक शिक्षा योजना) के अन्तर्गत वर्ष 2008-09 में स्वीकृत अनुदान की धनराशि पुनर्विनियोग के माध्यम से अवमुक्त करने के संबंध में।

महोदया,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 43845/5ख(9)/शिक्षक- शिक्षा/2008-09 दिनांक: 21 जनवरी, 2009 के संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में केन्द्र पोषित शिक्षक शिक्षा की पुनर्संरचना एवं पुनर्गठन योजनान्तर्गत संलग्न बी०एम०-15 प्रपत्र में उल्लिखित विवरणानुसार पुनर्विनियोग के माध्यम से रु० 36.40 लाख (रुपये छत्तीस लाख चालीस हजार मात्र) तथा रु० 114.50 लाख (रुपये एक करोड़ चौदह लाख पचास हजार मात्र) की धनराशि को शासनादेश संख्या: 657/XXIV-3/08/02(37)2008, दिनांक: 16 अप्रैल, 2008 तथा शासनादेश संख्या: 89/XXIV-3/09/02(86)2008, दिनांक: 23 जनवरी, 2009 द्वारा प्रश्नगत योजना में आपके निवर्तन पर रखी गयी धनराशि में से इस प्रकार कुल रु० 150.90 लाख (रुपये एक करोड़ पचास लाख नब्बे हजार मात्र) की धनराशि को नियमानुसार व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबंधों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- (1)- प्रश्नगत धनराशि का व्यय भारत सरकार द्वारा निर्धारित दिशा निर्देशों एवं मानकों के अनुसार व्यय किया जायेगा।
- (2)- योजनाओं की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के अनुरूप ही किया जायेगा तथा जहां आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की पूर्व सहमति/स्वीकृति प्राप्त की जायेगी।
- (3)- यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि उक्त धनराशि का किसी ऐसी मद पर व्यय न किया जाय जिसके लिए उत्तराखण्ड अधि० प्राप्ति नियमावली, 2008, वित्तीय हस्तपुस्तिका तथा बजट मैनुअल के नियमों के अन्तर्गत अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो।
- (4)- अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत व्यय कदापि न किया जाय और इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष की देनदारी अगले वर्ष के लिये कदापि न छोड़ी जाय।



क्रमशः.....2

(2)

- (5)– फर्नीचर, उपकरण आदि का क्रय स्टोर पर्चेज रूल्स एवं शासन के विद्यमान नियमों, आदेशों एवं उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008, वित्तीय हस्तपुस्तिका एवं बजट मैनुवेल का पालन सुनिश्चित करते हुए डी.जी.एस.एण्ड.डी. दरों पर किया जायेगा। उक्त दरे उपलब्ध न होने पर उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 एवं वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित प्रक्रिया का अनुपालन कर नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।
- (6)– कम्प्यूटरों आदि का क्रय अपर मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या: 43/XXXIV/115-सू0प्रौ0/06; दिनांक: 07.02.2007 में दिये गये दिशा निर्देशों के अनुसार किया जायेगा। क्रय के सम्बन्ध में वित्तीय नियमों का पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- (7)– मितव्ययता के संबंध में जारी किये गये शासनादेश अथवा भविष्य में जारी होने वाले शासनादेशों का विशेष रूप से पालन किया जायेगा।
- 2.– इस संबंध में होने वाले व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या: 11 के अधीन लेखाशीर्षक 2202-सामान्य शिक्षा-02-माध्यमिक शिक्षा के अधीन संलग्न बी0एम0-15 में उल्लिखित संबंधित व्यौरेवार शीर्षक/ सुसंगत प्राथमिक इकाइयों के नामे डाला जायेगा।
5. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 806 (P) वित्त(व्यय नियंत्रण)अनुभाग-3/ 2008-09 दिनांक: 24 फरवरी, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किय जा रहें हैं।

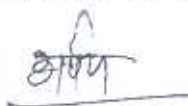
भवदीय,

(डा० राकेश कुमार)
सचिव

संख्या: 104(1)/XXIV-3/09/04(65)2005; तददिनांक।

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा० मुख्य मंत्री जी,।
- 3- निजी सचिव, मा० शिक्षा मंत्री जी,।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- आयुक्त, कुमायूँ मण्डल-नैनीताल/गढ़वाल मण्डल- पौड़ी।
- 6- अपर शिक्षा निदेशक, एस०सी०ई०आर०टी० नरेन्द्रनगर/गढ़वाल मण्डल-पौड़ी/कुमायूँ-मण्डल नैनीताल।
- 7- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 8- समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 9- समस्त जिला शिक्षा अधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 10- वित्त विभाग अनु०-03/नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड सचिवालय।



6

(3)

- 11- कम्प्यूटर सेल (वित्त विभाग), उत्तराखण्ड शासन।
- 12- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
- 13- एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 14- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,



(पी0एल0शाह)
उप सचिव।

वर्ष

प्रपत्र -बी0एम0-15 पैरा-156

नियंत्रक अधिकारी- सचिव, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड शासन

वित्तीय वर्ष 2008-09

अनुदान संख्या-11

प्रशासकीय विभाग-माध्यमिक शिक्षा

आयोजनागत

धनराशि (हजार रुपये में)

1	2	3	4	5	6	7	8
डेट प्राप्ति तथा स्वीकृत या विवरण	मानक मदवार अध्यावधिक व्यय	वित्तीय वर्ष के शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष (सरप्लास धनराशि)	लेखाशीर्षक जिसमें स्थानान्तरित किया जाना है तथा स्थानान्तरित धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ 5 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद अवशेष धनराशि (स्तम्भ 1 में)	अभिवृत्ति
202-सामान्य शिक्षा				2202-सामान्य शिक्षा			महाराज गुरुकुल
1-प्रारम्भिक शिक्षा				02-माध्यमिक शिक्षा			सोल्मानगढ़
31-सर्वोच्च प्राथमिक				800-अन्य व्यय			धनराशि के अन्तर्गत
3-केंद्र				01-केंद्रीय आयोजनागत / केंद्र द्वारा पुरोनिर्धारित याोजना			है शिक्षक नियुक्ति
सोनिधनियमित योजना में				0104-शिक्षक शिक्षा की पुनर्संरचना एवं पुनर्गठन			की पुनर्गठन
102-विभागाध्यक्ष							सोल्मानगढ़
31-पदावधि भोजन							का लक्ष्य 6 के
फलदायक योजना							अनुसार अनुसंधान
3-सह0अनु0/अंश /	3300000	659865	3640	20-सह0अनु0/अंश / राज सहा	15090	989865	की आवक
जस्ता 993505				3640			है।
मूल योग 993505	3300000	659865	3640	3640	15090	989865	

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से बजट में व्युत्पन्न के परिच्छेद 150,151,155,156 का उल्लंघन नहीं होता है।

(सि)

(पी0एल0शाह)

उप सचिव।

हस्ताक्षर
12-02-09

20.02.2009

उपस्थित
(प्राप्त 2009)

35

आज्ञा की

1. निर्देशक, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड।
2. कार्यप्रमुख, देहरादून।
3. विनोद कुमार-3, उत्तराखण्ड शासन।
4. गाँव काटोला।

प्रतिनिधि, विद्यालयी शिक्षा एवं आदर्शक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

संख्या 1041/P/NXIV-3/09/0465/2005 तद्विनिर्देशित।

उत्तराखण्ड, देहरादून।
(लेख एवं हस्ताक्षर)
प्रमुख, विद्यालयी शिक्षा

संख्या 35

उपस्थित
(प्राप्त 2009)

20/02/2009

प्रतिनिधि, विद्यालयी शिक्षा

संख्या 1041/P/NXIV-3/09/0465/2005
उत्तराखण्ड शासन, देहरादून
विनोद कुमार-3
उत्तराखण्ड शासन